नई नीति से सहकार क्षेत्र का विस्तार

राज्य के सहकारिता मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने जताई संभावना

■ पुणे, ब्यूरो. सहकार क्षेत्र को सामाजिक परिवर्तन के स्रोत के रूप में देखा जाता है. आजादी के बाद देश में सहकार आंदोलन का विस्तार हुआ. केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई नई सहकारी नीति को आने वाले समय में लागू किया जाएगा. इसलिए, सहकार आंदोलन जमीनी स्तर के संगठनों तक पहुंचेगा और सहकार क्षेत्र और भी मजबूत होगा. ऐसा विश्वास राज्य के सहकारिता मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने व्यक्त किया.

वामनिकॉम संस्था की 57वीं वर्षगांठ मनाई गई : वे वैम्निकॉम के 57वें स्थापना दिवस के अवसर पर बोल रहे थे. जिसे बड़ी धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर वैमनिकॉम की निदेशक डॉ. हेमा यादव, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष डॉ. मीनेश शाह, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरेश गोसावी, डॉ. दिगंबर दुर्गाडे, डॉ.वाई. एस. पाटिल, आर.के. मेनन उपस्थित थे.

मेधावी विद्यार्थियों का किया गया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को सहकारिता मंत्री दिलीप बलसे पाटिल ने सम्मानित किया. साथ ही सहकार संघर्ष पुस्तिका का विमोचन भी किया गया. सहकारितामंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र का लक्ष्य सहकारी समितियों का विकास करना है. सहकारी संस्थाओं को प्रशिक्षण और प्रबंधन प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा. नई सहकारी नीतियों के अनुसार किसानों के हित में निर्णय लिये जायेंगे. किसानों को भी सशक्त बनाने के संबंध में प्रयास किये जायेंगे. उन्होंने कहा कि आजादी के बाद सहकारी क्षेत्र का विस्तार हुआ सहकारी क्षेत्र बैंकों, ऋण संस्थानों, सूत मिलों, डेयरियों, उपभोक्ताओं, किसानों तक पहुंचा. वैकुंठ मेहता जैसे नेताओं ने सहकारी क्षेत्र को स्थापित करने में और विस्तार करने में विशेष योगदान दिया है. इसीलिए सहकार क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच गया है. डॉ. मीनेश शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में वैम्निकॉम का योगदान महत्वपूर्ण है. यहां के विभिन्न पाठ्यक्रम कृषि व्यवसाय के पूरक हैं. वे देश की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देते हैं. सहकारी क्षेत्र से डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा मिला है.

अब तक 1764 विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण

डॉ. सुरेश गोसावी ने कहा कि वैम्निकॉम द्वारा प्रबंधन प्रशिक्षण, शिक्षा, सहयोग एवं ग्रामीण विकास को लेकर निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं. डॉ. हेमा यादव ने कहा कि वामनिकॉम को देश में सहकार क्षेत्र में प्रबंधन शिक्षा और प्रशिक्षण के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है. वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के अधीन एक राष्ट्रीय स्तर का शीर्ष सहकारी प्रबंधन संस्थान है. वैमनिकॉम की स्थापना 1967 में हुई थी. अब तक 1764 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देकर प्रमाणपत्र दिये जा चुके हैं. डॉ. वाई एस पाटिल ने कहा कि वैम्निनिकॉम सहकारी समितियों की नीति में योगदान देने और प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी), प्रशिक्षण, शिक्षा, अनुसंधान और परामर्श के माध्यम से पेशेवर प्रबंधकों के एक कैडर के निर्माण की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है.